आईआईएफएल फाउंडेशन ने पढ़ाई छोड़ चुकी 25000 स्कूली लड़कियों को फिर से शिक्षा से जोड़ा

जयपुर, (कासं)। वित्तीय समूह, आईआईएफएल ग्रुप के सीएसआर अंग, आईआईएफएल फाउंडेशन ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ चुकी 25,000 लड़कियों को फिर से पढ़ाई से जोड़ा है। लड़कियों को दोबारा कक्षाओं में पहुंचाने की यह उपलब्धि संस्थान ने राजस्थान के दूरदराज के इलाकों में स्कूल न जाने वाली लड़कियों के लिए सामुदायिक स्कूल या 'सखियों की बाड़ी' के माध्यम से स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर हासिल की है।

आईआईएफएल फाउंडेशन बच्चों की अत्याधुनिक डिजिटल शिक्षा के लिए डिजिटल कक्षाएं उपलब्ध कराके व अतिरिक्त कक्षाएं बनाकर बुनियादी ढांचे में सुधार करके सरकारी स्कूलों के

पुर्ननिर्माण के लिए भी काम करता है। उदयपुर जिले के कड़ेछवास में इस तरह के एक स्कूल के उद्घाटन के मौके पर सांसद, उदयपुर, अर्जुनलाल मीणा ने कहा, ''हम आईआईएफएल फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हैं और राजस्थान में उनके शैक्षिक अभियानों के लिए उन्हें अपना पूरा सहयोग देने का वायदा करते हैं।आईआईएफएल की सीईओ, सारिका कुलकर्णी ने कहा, ''हमने दक्षिणी राजस्थान में अपने प्रयास शुरु किए और अब हमारा लक्ष्य पूरे राज्य में जाकर यह सुनिश्चित करना है कि राज्य की हर एक लड़की स्कूल जाया करे। सरकार और स्थानीय समुदाय हमें पूरा सहयोग कर रहे हैं और उनके सहयोग ने ही हमारा यह अभियान सफल बनाया है।

''भारत में लाखों लड़कियां निरक्षर हैं और स्कूल नहीं जातीं। 2011 की जनगणना के अनुसार अकेले राजस्थान में 10 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जाती हैं। लड़कियों को पढ़ाई से दूर करने के लिए कई समस्याएं जिम्मेदार हैं, जिनमें घर की जिम्मेदारियां, दूरदराज के इलाकों में स्कूल का न होना और लड़कियों को स्कूल भेजने में माता-पिता की रुचि न होना प्रमुख हैं। लड़कियों के लिए आईआईएफएल के 'सखियों की बाड़ी' स्कूल का लक्ष्य राजस्थान के गांवों में स्कूल न जाने वाली एवं निरक्षर लड़कियों को सर्वश्रेष्ठ स्तर की स्कूली शिक्षा प्रदान करना है। आईआईएफएल फाउंडेशन की सारिका कुलकर्णी ने कहा, ''पिछले एक साल में हमने स्कूल न जाने वाली लड़कियों को प्रेरित किया, ऐसे स्थानों की पहचान की, व्यापक टीचर्स प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया और आसान लर्निंग के लिए सरल व रोचक प्रशिक्षण बुकलेट्स निर्मित कीं।'' आईआईएफएल ने स्मार्ट क्लासरूम उपकरण भी इंस्टॉल किए, जिनके द्वारा डिजिटल बोर्ड के माध्यम से रचनात्मक इंटरेक्टिव लर्निंग होती है।